सहायक अध्यापक के पद पर चयन हेतु परीक्षा में एक प्रश्न पत्र होगा, जिसके दो खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में 50 प्रश्न "सामान्य ज्ञान" विषय से सम्बन्धित होंगे जो सभी अभ्यर्थियों हेतु अनिवार्य होगा। द्वितीय खण्ड में 100 प्रश्न सम्बन्धित विषय के होगें जिसमें भाषा, सामाजिक अध्ययन तथा विज्ञान एवं गणित में किसी एक विषय का अभ्यर्थी को चयन करना अनिवार्य होगा। भाषा में संस्कृत, हिन्दी अथवा अंग्रेजी में किसी एक का चयन करना अनिवार्य होगा। प्रश्न पत्र का कठिनाई स्तर, संरचना एवं विषय वस्तु निम्नवत् है –

परीक्षा का समय : 02:30 घण्टे (150 मिनट) पूर्णांक : 150
प्रश्न का प्रकार : बहुविकल्पीय प्रश्नों की संख्या : 150
प्रश्न पत्र का संयोजन एवं कठिनाई स्तर : स्नातक

क्र.सं.	विषय वस्तु	प्रश्नों की संख्या	अंक
1.	सामान्य ज्ञान (अनिवार्य)	50 MCQs	50
2.	(क) भाषा शिक्षक के लिए (संस्कृत/हिन्दी/अंग्रेजी में से कोई एक) (ख) सामाजिक अध्ययन शिक्षक के लिए सामाजिक अध्ययन (ग) विज्ञान एवं गणित शिक्षक के लिए विज्ञान एवं गणित **वैकल्पिक (क) अथवा (ख) अथवा (ग) में से कोई भी**	100 MCQs	100
कुल		**150 MCQs**	**150 अंक**

प्रधानाध्यापक प्रधानाध्यापक के पद पर चयन हेतु दो प्रश्न प्रश्न होंगे। प्रथम प्रश्न पत्र 150 अंकों का वही प्रश्न पत्र होगा जो सहायक अध्यापक हेतु निर्धारित प्रश्न पत्र होगा। उक्त प्रश्न पत्र सहायक अध्यापक/प्रधानाध्यापक दोनों पदों हेतु अनिवार्य होगा क्योंकि सहायक अध्यापक के पदों पर चयन हेतु 05 वर्ष सहायक अध्यापक के रूप में अध्यापन अनुभव की अनिवार्यता है। अतः प्रधानाध्यापक के पद पर नियुक्त होने वाले अभ्यर्थियों को शिक्षा विभाग से सम्बन्धित विभिन्न अधिनियमों, नियमों, शासनादेशों, शिक्षा विभाग से सम्बन्धित गठित विभिन्न आयोगों/समितियों एवं उनकी संस्तुतियों, शिक्षा नीतियों के सम्बन्ध में विभागीय कार्यक्रमों तथा योजनाओं एवं प्रबंधन के संदर्भ में भी ज्ञान होना अनिवार्य है। अतः प्रधानाध्यापक हेतु **"शैक्षिक प्रबंधन एवं प्रशासन"** विषय से सम्बन्धित 50 प्रश्नों का पृथक से द्वितीय प्रश्न पत्र होगा।
द्वितीय प्रश्न पत्र का कठिनाई स्तर, संरचना एवं विषय वस्तु निम्नवत् है –

परीक्षा का समय : 01:00 घण्टा (60 मिनट) पूर्णांक : 50
प्रश्न का प्रकार : बहुविकल्पीय प्रश्नों की संख्या : 50
प्रश्न पत्र का संयोजन एवं कठिनाई स्तर : स्नातक

क्र.सं.	विषय वस्तु	प्रश्नों की संख्या	अंक
1.	शैक्षिक प्रबन्धन/प्रशासन	50 MCQs	50
कुल		**50 MCQs**	**50 अंक**

प्रधानाध्यापक/सहायक अध्यापक हेतु निर्धारित उपर्युक्त प्रश्न पत्र संरचना के अनुसार भर्ती परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम "परिशिष्ट–।" मे दिये गये हैं।

https://www.freshersnow.com/syllabus/
Scanned with CamScanner

परिशिष्ट – 1

"जूनियर हाई स्कूल प्रधानाध्यापक/सहायक अध्यापक चयन परीक्षा वर्ष 2021" हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम

1. सामान्य ज्ञान/समसामयिक घटनाएँ/तार्किक ज्ञान (खण्ड–क)

- राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व की समसामयिक घटनाएँ।
- भारत का इतिहास एवं भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन।
- भारत का भूगोल
- भारतीय राजनीति एवं शासन–संविधान, राजनीतिक व्यवस्था, पंचायती राज, लोकनीति आधिकारिक प्रकरण आदि।
- आर्थिक और सामाजिक विकास–सतत विकास, गरीबी अन्तर्विष्ट जनसांख्यिकीय, सामाजिक क्षेत्र के इनिशियेटिव आदि।
- पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी सम्बन्धी सामान्य विषय, जैव विविधता एवं जलवायु परिवर्तन।
- सामान्य विज्ञान।
- Analogies, assertion and reason, binary logic, classification, clocks and calendars, coded in equalities, coding-decoding.

प्रधानाध्यापक एवं सहायक अध्यापक हेतु

खण्ड 'ख'

2. हिन्दी

- हिन्दी साहित्य एवं भाषा का इतिहास।
- व्याकरण।
- अपठित गद्यांश तथा पद्यांश
- प्रमुख लेखकों/कवियों का सामान्य परिचय एवं उनकी रचनाएँ।

3. English

- History of English Literature and Language.
- Grammar.
- Unseen Passage.
- Writers, general introduction and their work.

4. संस्कृत

- संस्कृत भाषा एवं साहित्य के इतिहास की जानकारी।
- व्याकरण
- अपठित गद्यांश/पद्यांश
- प्रमुख लेखकों/कवियों का सामान्य परिचय एक उनकी कृतियाँ।

5. सामाजिक अध्ययन

- इतिहास जानने के स्त्रोत।
- पाषाणकालीन संस्कृति, ताम्र पाषाणिक संस्कृति, वैदिक संस्कृति।
- छठी शताब्दी ई0 पू0 का भारत।
- भारत के प्रारम्भिक राज्य।
- भारत में मौर्य साम्राज्य की स्थापना।
- मौर्योत्तरकालीन भारत, गुप्तकाल, राजपूत कालीन भारत, पुष्यभूति वंश, दक्षिण भारत के राज्य।
- छठी शताब्दी का धार्मिक तथा सामाजित विकास।

https://www.freshersnow.com/syllabus/

- इस्लाम का भारत में आगमन, दिल्ली सल्तनत की स्थापना, विस्तार, विघटन।
- मुगल साम्राज्य, संस्कृति, पतन।
- यूरोपीय शक्तियों का भारत में आगमन एवं अंग्रेजी राज्य की स्थापना।
- भारत में कम्पनी राज्य का विस्तार।
- भारत में नवजागरण, भारत में राष्ट्रवाद का उदय।
- स्वाधीनता आन्दोलन, स्वतंत्रता प्राप्ति, भारत विभाजन।
- स्वतंत्र भारत की चुनौतियाँ।
- हम और हमारा समाज।
- ग्रामीण एवं नगरीय समाज व रहन–सहन, ग्रामीण एवं नगरीय स्वशासन।
- जिला प्रशासन।
- हमारा संविधान, केन्द्रीय व राज्य शासन व्यवस्था।
- भारत में लोकतंत्र।
- देश की सुरक्षा एवं विदेश नीति, वैश्विक समुदाय एवं भारत।
- नागरिक सुरक्षा, यातायात सुरक्षा।
- दिव्यांगता।
- सौरमण्डल मे पृथ्वी, ग्लोब–पृथ्वी पर स्थानों का निर्धारण, पृथ्वी की गतियाँ।
- मानचित्रण, पृथ्वी के चार परिमण्डल, स्थल मण्डल–पृथ्वी की संरचना, पृथ्वी के प्रमुख स्थलरूप।
- विश्व में भारत, भारत का भौतिक स्वरूप, मृदा, उर्वरक का प्रयोग एवं महत्व, वनस्पति एवं वन्य जीव, भारत की जलवायु, भारत के आर्थिक संसाधन, यातायात, व्यापार एवं संचार।
- उत्तर प्रदेश–भारत में स्थान, राजनीतिक विभाग, जलवायु, मृदा, वनस्पति एवं वन्यजीव, कृषि, खनिज उद्योग–धन्धे, जनसंख्या एवं नगरीकरण।
- वायुमण्डल, जलमण्डल।
- संसार के प्रमुख प्राकृतिक प्रदेश एवं जनजीवन।
- खनिज संसाधन, उद्योग–धन्धे।
- भारतीय अर्थव्यवस्था एवं उसकी चुनौतियाँ।
- पर्यावरण, प्राकृतिक संसाधन एवं उनकी उपयोगिता।
- प्राकृतिक संतुलन, संसाधनों का उपयोग।
- जनसंख्या वृद्धि का पर्यावरण पर प्रभाव, पर्यावरण–प्रदूषण।
- अपशिष्ट प्रबन्धन, आपदाएँ, पर्यावरणविद, पर्यावरण के क्षेत्र में पुरस्कार, पर्यावरण दिवस, पर्यावरण कैलेण्डर।

6. गणित

- प्राकृतिक संख्याएँ, पूर्ण संख्याएँ, परिमेय संख्याएँ।
- पूर्णांक, कोष्ठक लघुत्तम समापवर्त्य एवं महत्तम समापवर्तक।
- वर्गमूल, घनमूल, सर्वसमिकाएँ।
- बीजगणित, अवधारणा–चर संख्याएँ, अचर संख्याएँ, चर संख्याओं की घात।
- बीजीय व्यंजकों का जोड़, घटाना, गुणा एवं भाग, बीजीय व्यंजकों के पद एवं पदों के गुणांक, सजातीय एवं विजातीय पद, व्यंजकों की डिग्री, एक, दो एवं त्रिपदीय व्यंजकों की अवधारणाए।
- युगपत समीकरण, वर्ग समीकरण, रेखीय समीकरण।

https://www.freshersnow.com/syllabus/

- समान्तर रेखाएँ, चतुर्भुज की रचनाएँ, त्रिभुज,
- वृत्त और चक्रीय चतुर्भुज, वृत्त की स्पर्श रेखाएँ।
- अनुपात, समानुपात, प्रतिशतता, लाभ–हानि, साधारण ब्याज, चक्रवृद्धि ब्याज।
- सांख्यिकी–आंकड़ों का वर्गीकरण, पिक्टोग्राफ, माध्य, माध्यिका एवं बहुलक, बारम्बारता।
- पाई एवं दण्ड चार्ट, अवर्गीकृत आँकड़ों का चित्र।
- सम्भावना (प्रायिकता) ग्राफ, दण्ड, आरेख तथा मिश्रित दण्ड आरेख।
- कार्तीय तल क्षेत्रमिति (मेन्सुरेशन), घातांक, त्रिकोणमिति।

7. विज्ञान

- दैनिक जीवन में विज्ञान, महत्वूर्ण खोज, महत्व, मानव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी।
- रेशे एवं वस्त्र, रेशों से वस्त्रों तक (प्रक्रिया)
- सजीव, निर्जीव पदार्थ– जीव जगत, सजीवों का वर्गीकरण, जन्तु एवं वनस्पति के आधार पर पौधों का वर्गीकरण एवं जन्तुओं का वर्गीकरण, जीवों मे अनुकूलन, जन्तुओं एवं पौधों में परिवर्तन।
- जन्तु की संरचना व कार्य।
- सूक्ष्म जीव एवं उनका वर्गीकरण।
- कोशिका से अंगतन्त्र तक।
- किशोरावस्था, विकलांगता।
- भोजन, स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं रोग, फसल उत्पादन, नाइट्रोजन चक्र।
- जन्तुओं में पोषण, पौधों में पोषण, जनन, लाभदायक पौधे।
- जीवों में श्वसन, उत्सर्जन, लाभदायक जन्तु।
- मापन, विद्युत धारा, चुम्बकत्व, गति, बल एवं यंत्र।
- ऊर्जा, ध्वनि, स्थिर विद्युत, प्रकाश एवं प्रकाश यंत्र।
- वायु– गुण, संघटन, आवश्यकता, उपयोगिता, ओजोन परत, हरित गृह प्रभाव।
- जल– आवश्यकता, उपयोगिता, स्त्रोत, गुण, प्रदूषण, जल–संरक्षण।
- पदार्थ, पदार्थो के समूह, पदार्थो का पृथक्करण, पदार्थ की संरचना एवं प्रकृति।
- अम्ल, क्षार, लवण।
- ऊष्मा एवं ताप।
- मानव निर्मित वस्तुएँ, प्लास्टिक, काँच, साबुन, मृतिका।
- खनिज एवं धातु, कार्बन एवं उसके यौगिक।
- ऊर्जा के वैकल्पिक स्त्रोत।
- आवर्त सारिणी, रक्त की संरचना, वर्ग एवं रक्त के आदान–प्रदान में सावधानियाँ।

शैक्षिक प्रबन्धन एवं प्रशासन/द्वितीय प्रश्न पत्र (प्रधानाध्यापक हेतु)

- विद्यालय प्रबन्धन का अर्थ, आवश्यकता एवं महत्व।
- विद्यालय प्रबन्धन के क्षेत्र।
- भौतिक संसाधनों का प्रबन्धन (विद्यालय भवन, फर्नीचर, शैक्षिक उपकरण, साज–सज्जा, पेयजल, शौचालय)।
- मानवीय संसाधनों का प्रबन्धन (शिक्षक, बच्चे, समुदाय–ग्राम शिक्षा समिति, विद्यालय प्रबन्धन समिति, शिक्षक अभिभावक संघ, मातृशिक्षक संघ, महिला प्रेरक दल)

https://www.freshersnow.com/syllabus/

- वित्तीय प्रबन्धन (विद्यालय अनुदान, टी0एल0एम0 ग्रान्ट, विद्यालय को समुदाय से प्राप्त धन, विद्यालय की सम्पत्ति से अर्जित धन, ग्राम पंचायत निधि से/जनप्रतिनिधियों से प्राप्त अनुदान)
- शैक्षिक प्रबन्धन (कक्षा–कक्ष प्रबन्धन, शिक्षण अधिगम सामग्री प्रबन्धन, लर्निंग, कॉर्नर एवं पुस्तकालय प्रबन्धन,)।
- समय प्रबन्धन : समय सारिणी का निर्माण व प्रयोग।
- विद्यालय प्रबन्धन में विभिन्न अभिकर्मियों की भूमिका।
- प्रारम्भिक शिक्षा के विकास में संलग्न विभिन्न अभिकरण एवं उनकी भूमिका।
- राष्ट्रीय/राज्य/जिला /स्थानीय स्तर पर कार्य करने वाले अभिकरण।
- प्राथमिक शिक्षा का आधारभूत ढाँचा।
- आपदा प्रबन्धन।

https://www.freshersnow.com/syllabus/